an>

Title: Need to merge all the three Municipal Corporations of Delhi.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, दिल्ली एक केन्द्र शासित प्रदेश है और इस केन्द्र शासित प्रदेश में जब तथाकथित सरकार थी तो उन्होंने एम.सी.डी. के तीन हिस्से किये। दुनिया या देश में कहीं भी किसी शहर में तीन एम.सी.डी. या तीन कार्पोरेशन नहीं होते, केवल दिल्ली एक ऐसा शहर है जिसके कार्पोरेशन के तीन हिस्से हैं। म्युनिसिपल कार्पोरेशन के तीन हिस्से होने के बाद से दिल्ली बरबादी के रास्ते पर चल पड़ा है। दिक्कत यह हुई कि दिल्ली में जो तथाकथित सरकार है, उसकी नाकामयाबी की वजह से दिल्ली बहुत सफर कर रही है। जब बरसात आ जाती है तो बहुत ज्यादा जलभराव हो जाता है, नालों की सफाई नहीं होती है। एम.सी.डी. नालियाँ साफ करती है, पर नाले साफ नहीं होते जो दिल्ली सरकार के अंदर आते हैं। नालों का पानी पीछे आ जाता है और जलभराव हो जाता है। दिक्कत यह होती है कि रेवेन्यू शेयर बराबर नहीं हो पाता और पूर्वी दिल्ली जहाँ पर खासकर बहुत ज्यादा अनआर्गनाइज्ड एरिया है और वह जो पूरा अनधिकृत बसा हुआ क्षेत्र है जिसकी वजह से रेवेन्यू पूरा नहीं आता, आये दिन वहाँ पर हड़ताल लगी रहती है और पूर्वी दिल्ली कूड़े का घर बन जाता है। कभी दिल्ली ने ऐसे दिन देखे नहीं थे। मेरा आपसे आग्रह है और केन्द्र सरकार के माध्यम से मैं आग्रह करना चाहता हूँ कि तीनों एम.सी.डी. का पुनः एकीकरण किया जाए ताकि दिल्ली बच जाए, दिल्ली विकास के रास्ते पर और प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास के जो स्वप्न हैं, उस रास्ते पर चल पड़े। दिल्ली सरकार जो नाकामयाब है, यहाँ राष्ट्रपति शासन तत्काल प्रभाव से लगाया जाए ताकि दिल्ली बरबाद होने से बचे।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री सी.पी.जोशी एवं

श्री शरद त्रिपाठी को श्री महेश गिरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।